सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली
संक्षिप्त नोट
अनुस्थापन पाठ्यक्रम शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अनुस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन देश के सभी भागों के माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के सेवारत शिक्षकों/शिक्षिकाओं तथा शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए किया जाता है। इसकी अवधि लगभग तीन सप्ताह तक की होती है तथा इसमें विविध कार्यक्रम शामिल होते हैं, जैसे-व्याख्यान, व्याख्यान-प्रदर्शन, व्यवहारिक कक्षाऐं और प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक रूचि के स्थानों की शैक्षिक यात्राऐं। इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले अध्यापकों का परिचय अपनी समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत की संरचना से कराया जाता है । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों/शिक्षिकाओं को भारत की विविध रचनात्मक अभिव्यक्तियों को विचार देने हेतु इस दृष्टि से तैयार किया जाता है कि स्कूली बच्चे प्रकृति और कला में निहित सौन्दर्य को उद्भासित कर सकें। जन समुदाय के सदस्यों के साथ, विशेषकर युवा पीढ़ी द्वारा अपनी सांस्कृतिक विरासत तथा विविध प्रकार की भौगोलिक विशिष्टताओं व उन प्रजातिय, धार्मिक, भाषायी समूहों के बारे में समझा जाना जरूरी है, जिन्होंने हमारी संस्कृति की समृद्वि और सौन्दर्यात्मक गुणवत्ता को बढ़ाने में योगदान किया है। यही जागरूकता सम्पूर्ण मानव जाति के लिए प्रेम की भावना संजोती है तथा अच्छे नागरिक बनाने में मदद करती है।

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अनुस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- भारतीय संस्कृति, इसकी निरंतरता और विविधता के प्रति जागरूकता पैदा करना।
- अध्ययन, अध्यापन को समग्र अनुभव बनाने के लिए कक्षा शिक्षण के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सांस्कृतिक घटकों को शामिल करने के लिए प्रविधियां विकसित करना।
- नई शिक्षा नीति 2020 के प्रस्ताव अनुसार शिक्षा में कलाओं को एकीकृत करके रचनात्मक अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ाना और प्रशिक्षण प्रदान करना।
- नवीन शिक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने के लिए प्रतिभागियों को विद्वानों, कलाकारों और शिक्षाविदों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करना।
- देश के सभी भागों के शिक्षकों/शिक्षिकाओं को विभिन्न विषयों के शिक्षण के लिए एक साथ मिल-जुल कर काम करने का अवसर प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विषयवस्तु:

पाठ्यक्रम की रूपरेखा निम्नलिखित है :

- कला और संस्कृति का सैद्धांतिक अध्ययन
- कला और शिल्प में व्यवहारिक प्रशिक्षण
- पाठ योजनाओं की तैयारी, शिक्षा को संस्कृति से जोड़ने की पद्धतियों पर परियोजना
- ऐतिहासिक स्मारकों, संग्रहालयों और प्राकृतिक उद्यानों के शैक्षिक भ्रमण।
- सांस्कृति और शिक्षा के अध्ययन और चर्चा के माध्यम से मूल्यांकन।
- अन्य शैक्षिक गतिविधियां।

प्रतिभागी शिक्षकों को भी अपने क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा। प्रतिनियुक्त शिक्षकों से अनुरोध किया जाता है कि वे लोक गीतों, नृत्यों और सांस्कृतिक मूल्य की अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं की वेशभूषा, प्रदर्शनों की सूची लाएं जिसे वे पाठ्यक्रम के दौरान अन्य राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के अपने सहयोगियों के साथ साझा करना चाहें।

दर्शन शास्त्र, सौन्दर्य शास्त्र, वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, साहित्य, संगीत, नृत्य, रंग-मंच, लोक और पारंपरिक कला, हस्तशिल्प आदि के पहलुओं पर सचित्र व्याख्यान और प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है। इनका उद्देश्य प्रतिभागियों में भारत की कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत के समृद्ध पहलुओं के प्रति उन्मुखीकरण और ठोस पृष्ठभूमि तैयार करना है। प्रत्येक विषय के व्याख्यान में कुछ आवश्यक परिभाषाओं और कलारूपों से संबंधित तकनीकों के विवरण के साथ संक्षिप्त ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी जाती है। हालांकि प्रमुख लक्ष्य यह है कि युवा पीढ़ी के मन में भारतीय संस्कृति के प्रति रूचि और आदर कैसे पैदा की जाए। यह सभी व्याख्यान सचित्र बहुल हैं एवं संगीत और नृत्य आदि विषयों में व्याख्यान के साथ लाइव प्रस्तुतिकरण दिया जाता है। व्याख्यान संबंधित क्षेत्रों के प्रसिद्ध विद्वान, विशेषज्ञ, कलाकारों द्वारा दिए जाते हैं।

इन व्याख्यानों के अलावा, चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाना, बुक बाइंडिंग, मैक्रेम, बांधनी पारंपरिक हस्तशिल्प में व्यावहारिक कक्षाओं की भी व्यवस्था की जाती है और प्रत्येक शिक्षक प्रतिभागी से कम से कम तीन या चार कला सीखने की उम्मीद की जाती है। प्रत्येक शिक्षक प्रशिक्षु को इन शिल्पों के कौशल और तकनीकों

को सीखने में लगभग एक सप्ताह लगता है जिसे वह स्कूलों में आसानी से सिखा सकते हैं। शिक्षकों को उन शिल्पों में प्रशिक्षण दिया जाता है जो लागत, सामग्री की उपलब्धता और उत्पादक मूल्य के मामले में भारतीय स्कूलों के लिए अनुकूल हैं।

इसके अलावा, पाठ्यक्रम के दौरान भारतीय भाषाओं में गीत सिखाए जाते हैं। इन सत्रों में शिक्षकों को सभी भाषाओं में निहित सुंदरता और संगीत अभिव्यक्तियों में समृद्धि और विविधता के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया जाता है। शिक्षकों को शारीरिक व्यायाम और भारतीय नृत्य रूपों में इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक मुद्राओं और संकेतों के माध्यम से गतिविधियों और माइम से भी परिचित कराया जाता है। ये गतिविधियाँ प्रशिक्षुओं/प्रशिक्षण शिक्षकों में संचार कौशल को बढ़ाने में मदद करती हैं और बच्चों/छात्रों की आंतरिक क्षमता और प्रतिभा की खोज के लिए एक वातावरण बनाने के लिए कविता, संगीत और संचलन के लिए उनके कक्षा शिक्षण से संबंधित हैं। प्रतिभागी शिक्षा के लिए कला के उपयोग पर शैक्षिक सहायता और अन्य शिक्षण सामग्री तैयार करते हैं। अनुस्थापन पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को इस तरह प्रशिक्षित करना है जिससे वे कक्षा शिक्षण को रोचक बनाने और पाठ्यक्रम के साथ कला और शिल्प के ज्ञान को एकीकृत करने के लिए नवीन पद्धतियों को विकसित कर सकें।

प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागी पाठ योजनाओं को अंतिम रूप देते हैं और कभी-कभी स्थानीय स्कूल के छात्रों के साथ काम करते हैं जिससे मूल्यांकन और फीडबैक प्राप्त हों।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक अनूठी विशेषता यह है कि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले विभिन्न विषयों को पढ़ाने वाले, विभिन्न भाषा बोलने वाले शिक्षक एक साथ रहते हैं और भारत के जीवन और संस्कृति के बहुमुखी पहलुओं को जानते हैं। इससे उन्हें इस ज्ञान को शिक्षण अभ्यासों में एकीकृत करने में सहायता मिलती है साथ ही हमारी विरासत में जागरूकता और रुचि पैदा होती है।

प्रतिनियुक्त शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों का अकादमिक रिकॉर्ड अच्छा होना चाहिए और इनमें से ज्यादातर को सामाजिक विज्ञान और भाषा शिक्षण के विषयों से लिया जाना चाहिए। अन्य विषयों के शिक्षकों का भी चयन किया जा सकता है यदि वे इस कार्यक्रम में रुचि रखते हैं। देश के सभी हिस्सों से भाग लेने वाले शिक्षकों के लाभ के लिए विशेषज्ञ द्विभाषी भाषा अर्थात अंग्रेजी और हिंदी में व्याख्यान देंगे। इसलिए, अंग्रेजी में समझ और उसमें काम करने का ज्ञान अपेक्षित है।

प्रत्येक विद्यालय जहां के शिक्षक को प्रशिक्षित किया जाता है, उनको सीआरटी की सांस्कृतिक शैक्षिक किट प्रदान की जाती है जिसमें उपलब्धता के आधार पर सांस्कृतिक पैकेज शामिल होता है, ताकि शिक्षक अपने कार्य को प्रभावी ढंग से करने में सक्षम हो सकें। चूँकि सामग्री के उपयोग से शिक्षक का कार्यभार बढ़ जाता है इसलिए यह किट उन चयनित विद्यालयों को दी जाती है, जो प्रशिक्षण के दौरान पाठ्यक्रम में शिक्षक की रुचि, उनकी उपस्थिति और कार्यक्रम में उनकी सक्रिय भागीदारी और कक्षा में उनके प्रदर्शन के मूल्यांकन द्वारा निर्धारित की जाती है। सांस्कृतिक शैक्षिक किट का दावा उस संस्था द्वारा अधिकार के रूप में नहीं किया जा सकता है जिसका शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिनिधित्व करता है।

इस पाठ्यक्रम की अवधि लगभग 18 कार्य दिवसों की होती है।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

एनईपी-2020 के अनुरूप अनुस्थापन पाठ्यक्रम के लिए शिक्षकों की नियुक्ति करते समय कृपया निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दिया जाए:
(अंतिम चयन का अधिकार सीसीआरटी के पास है)

- पंजीकरण के समय शिक्षकों की आयु अधिकतम 52 वर्ष तक होनी चाहिए (पंजीकरण के समय जन्म तिथि का प्रमाण देना अनिवार्य है)।

- विभिन्न विषयों से संबंधित शिक्षक उदाहरण के लिए भाषा, इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, गणित, विज्ञान, ललित कला, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, संगीत आदि पाठ्यक्रम के लिए सिफारिश कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए योग, शारीरिक शिक्षा और एस.यू.पी.डबल्यू. विषयों से संबंधित शिक्षक के नाम की अनुशंसा नहीं की जानी चाहिए।

- किसी विद्यालय से एक समय में केवल एक शिक्षक अनुस्थापन पाठ्यक्रम के लिए आवेदन दे सकते हैं।

- केवल कक्षा 6/7/8/9/10/11 और 12 में पढ़ाने वाले शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों / प्राचार्यों को अनुस्थापन पाठ्यक्रम के लिए अनुशंसित नहीं किया जाना चाहिए।

- जो शिक्षक पहले से ही अनुस्थापन पाठ्यक्रम या अनुस्थापन (बुनियादी) पाठ्यक्रम में भाग ले चुके हैं, उन्हें पुनः प्रतिनियुक्त/अनुशंसित नहीं किया जाना चाहिए।

- अनुस्थापन पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए सिफारिश/प्रतिनियुक्ति के लिए महिला शिक्षकों को वरीयता दी जा सकती है।

- एनईपी 2020 के अनुसार केवल नियमित शिक्षक ही अनुस्थापन पाठ्यक्रम के पात्र हैं, अनुबंध/परिवीक्षा पर शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति नहीं की जानी चाहिए।

- ऐसे शिक्षकों को प्रतिनियुक्त किया जाना चाहिए जिन्हें शिक्षण में न्यूनतम 02 वर्ष का अनुभव हो।

विद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों के लिए सांस्कृतिक शैक्षिक किट और प्रकाशन

सांस्कृतिक शैक्षिक किट में निम्न शामिल हैं:

- ऑडियो/वीडियो दस्तावेज़ों के लिंक
- 20 प्रकाशन

इनकी आपूर्ति केवल माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों को निम्नलिखित शर्तों पर की जाएगी:

- सफल भागीदारी और प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूरा करना
- संस्थान के प्रमुख द्वारा हस्ताक्षरित निर्धारित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना
- यदि स्कूल/संस्थानों में उपर्युक्त सीसीआरटी सांस्कृतिक शैक्षिक किट और आवश्यक उपकरण पहले से उपलब्ध नहीं हों।
- **यदि विद्यालय के पास अपेक्षित कार्यात्मक डिजिटल बुनियादी ढांचा हो**

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी)
CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING (CCRT)
सेक्टर-7, प्लॉट नं. 15-ए, द्वारका, **नई दिल्ली /15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075**
दूरभाष/Telephone : (011)-25309300/Ext. 324/325,
ई-मेल/E-mail: ddtrg.ccrt@nc.in, वेबसाइट/Website: www.ccrtindia.gov.in

आवेदन पत्र 'एनईपी-2020 के अनुरूप अनुस्थापन पाठ्यक्रम'
Application Form 'Orientation Course in line with NEP-2020'

कृपया सुनिश्चित करें कि/ **KINDLY ENSURE:**

- आवेदक द्वारा विवरण बड़े अक्षरों में भरा जाना चाहिए।
  Particulars to be filled in BLOCK LETTERS by the applicant.
- सभी विवरण ठीक से भरे गए हैं और फॉर्म में संबंधित संस्थान के प्राचार्य और संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी/स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी की सिफारिश के साथ-साथ संबंधित शिक्षक/शिक्षक प्रशिक्षक के हस्ताक्षर भी हैं।
  All the particulars have been filled in properly, and the form has the signatures of the teacher/teacher educator concerned along with the recommendations of both - the Principal of the concerned institution and concerned District Education Officer/Inspector of School/ Director of Education/Concerned Officer/Authority.

1. नाम सुश्री/श्रीमती/श्री Name Ms./Mrs./Mr. _____
2. पद/Designation _____
3. जन्म तिथि/Date of Birth _____
4. योग्यता एवं शिक्षण अनुभव/Qualifications & Teaching Experience _____
   _____
5. लिंग: पुरुष/महिला/Gender: Male/Female
6. श्रेणी: एससी/एसटी/ओबीसी/सामान्य/Category: SC/ST/OBC/General
7. क्या दिव्यांग व्यक्ति हैं/Whether specially challenged हां/नहीं Yes/No
   यदि हां, तो कृपया निर्दिष्ट करें/ If yes, please specify: _____

कृपया विभागाध्यक्ष द्वारा विधिवत प्रमाणित हालिया पासपोर्ट आकार की तस्वीर यहां चिपकाएं संस्थान/स्कूल
Please affix recent passport size photograph here duly attested by Head of the Institution/School

8.

संस्थान/स्कूल का नाम और पता /Name and Address of the Institution/School:	आवासीय पता/Residential Address:
स्थान/Place:	स्थान/Place:
तालुक/Taluq :	तालुक/Taluq:
डाकघर/AT/PO:	डाकघर/AT/PO:
जिला/Dist.:	जिला/Dist.:
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:
फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD code :	फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID:	ईमेल/E-mail ID:

9. विद्यालय का प्रकार/Type of School: सरकारी/सरकारी मान्यता प्राप्त/पब्लिक/निजीGovernment/Govt. Aided/Public/Private

10. (अ) भाषाएँ, जिन्हें आप पढ़, लिख और बोल सकते हैं/ (a) Languages, which you can read, write & speak :

1. _____ 2. _____ 3. _____

(ब) अंग्रेजी का कार्यसाधक ज्ञान/ (b) Working Knowledge of English: (कृपया (√) निशान लगाएं)(Please Put (√) Mark)

अच्छा GOOD	औसत AVERAGE	खराब POOR

11. विषय (ओं) एवं पाठ्यक्रम स्तर/कक्षाएँ जिन्हें आप पढ़ाते हैं/Subject (s) and Course level/Class (es) that you teach:

विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं Class (es)	विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं/Class (es)
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

12. आपके विद्यालय/संस्थान में शिक्षण/निर्देश का माध्यम (भाषा)/
Medium of teaching/instructions in your school/institution (Language): _____

13. (अ) क्या आपके संस्थान के पास सीसीआरटी की शैक्षिक किट है?/ Is your institution in possession of CCRT's Educational Kit?
हां/नहीं Yes/No
(ब) क्या सभी उपकरण अच्छी स्थिति में हैं?/ Are all equipment in good condition?
हाँ/नहीं/लागू नहीं* Yes /No/Not Applicable*

14. आपके विद्यालय में निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं?/Which of the following activities are organized in your school? (कृपया (√) निशान लगाएं) (Please Put a (√) Mark

(अ) पार्क/चिड़ियाघर का शैक्षिक दौरा/ Educational Visits to Parks/Zoo ☐

(ब) संग्रहालयों/स्मारकों का शैक्षिक दौरा/Educational Visits to Museums/Monuments ☐

(स) सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ जैसे नृत्य/संगीत/थिएटर/पेंटिंग, आदि।
Co-curricular Activities like Dance/Music/Theatre/Painting, etc. ☐

(द) सांस्कृतिक कार्यक्रम/प्रतियोगिताएं/Cultural Shows/Competitions ☐

(च) कोई अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें)/Any others (Please specify) _____ ☐

15. कृपया आपके विद्यालय/संस्था में उपलब्ध दृश्य-श्रव्य सहायक एवं उपकरण का उल्लेख करें।
Please mention the Audio-Visual Aid(s) and Equipment(s) available in your school/institution.

16. क्या आपने सीसीआरटी द्वारा आयोजित किसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है - यदि हां, तो कृपया उल्लेख करें।
Have you attended any training programme(s) organized by the CCRT – if so, please mention.

(अ) प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम/Name of the training programme(s) :

(ब) स्थान (प्रशिक्षण कार्यक्रम का स्थान)/ Place (Venue of the Training Programme(s) :

(स) दिनांक/अवधि/ Date/Duration :

मैं प्रमाणित करता/करती हूं कि ऊपर भरे गए सभी विवरण सही हैं और कोई भी गलत जानकारी देने के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
I certify that all the particulars filled in above are correct and I can be held responsible for furnishing any wrong information.

आवदेक के हस्ताक्षर/Signature of the Applicant _____

नाम/Name : _____

पद/Designation: _____

संघ शासित प्रदेश/राज्य/U.T./State* _____

तिथि/Date : _____

*जो लागू न हो, काट दे/*Strike off, whichever in not applicable.

महत्वपूर्ण: इस फॉर्म को चयन के लिए तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि निम्नलिखित दोनों संबंधित अग्रेषण प्राधिकारियों द्वारा इसे अग्रेषित नहीं किया जाता है।

Important : This form will not be considered for selection unless forwarded by both the following concerned forwarding authorities.

डी.ई.ओ./स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर/Signature of D.E.O./Inspector of School/ Director of Edn./Concerned Officer/ Authority :	प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर/Signature of the Headmaster/ Principal:
नाम/Name	नाम/Name
पद/Designation	
मुहर/Seal	मुहर/Seal
एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नं. (कार्यलय)/Telephone no.(O) with STD Code:	एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नं.(कार्यलय)/Telephone no.(O) with STD Code:
टेलीफोन नं.(आवास) एसटीडी कोड के साथ/Tel .No. (R) with STD Code:	टेलीफोन नं.(आवास) एसटीडी कोड के साथ /Tel. No. (R) with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID	ईमेल/E-mail ID

यदि मुहरें क्षेत्रीय भाषा में हैं, तो कृपया चयन की प्रक्रिया में देरी से बचने के लिए प्रायोजक प्राधिकारी का नाम और पदनाम हिंदी या अंग्रेजी में निर्दिष्ट करें।
In case the seal(s) are in regional language, kindly specify the name and designation of the sponsoring authority in Hindi or English to avoid delay in the process of selection.

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

संक्षिप्त नोट
नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका पर कार्यशाला

पुतलीकला ने विश्व के अधिकांश भागों में ज्ञान के प्रचार-प्रसार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुतलीकला, साहित्य, चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, नृत्य, नाटक जैसी सभी कला शैलियों के तत्वों को आत्मसात करती है और छात्रों की रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने में सक्षम बनाती है। भारत में पारंपरिक रूप से पुतलीकला को भारतीय पुराणों और दंत कथाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लोकप्रिय व सस्ते माध्यम के रूप में प्रयोग में लाया जाता रहा है।

चूंकि पुतलीकला एक सक्रिय कला शैली है, जो सभी आयु वर्गों के लिए उपयुक्त है, अत: इस संचार माध्यम को विद्यालयों में शिक्षा प्रदान करने की सहायक सामग्री के रूप में चुना गया है। सीसीआरटी विविध औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षण परिस्थितियों में प्रयुक्त किए जा सकने वाले कठपुतली कार्यक्रमों को तैयार करने, निर्मित और प्रदर्शित करने में व्यापक तथा समेकित प्रशिक्षण प्रदान करता है। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका पर वर्ष भर देश के सभी भागों के सेवारत प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाती
हैं। यह कार्यशाला लगभग 13 कार्य दिवसों की होती है।

उद्देश्य:

- पुतली कला को शिक्षण में सहायक सामग्री के रूप में प्रस्तुत करना।
- निम्न लागत वाली सामग्रियों से एवं कक्षा वातावरण में आसानी से उपयोग में लाए जाने वाले दस्ताने, छाया, रॉड, धागा और अन्य प्रकार में कठपुतलियाँ बनाना तथा उन्हें चलाने का तरीका सिखाना।
- पुतलीकला के माध्यम से शिक्षण पाठ्यक्रम के विषयों के लिए शैक्षिक आलेखों तथा कार्यक्रमों को तैयार करना और मूल्यांकन के लिए प्रशिक्षण के प्रभाव का अध्ययन करना।
- भारत की परम्परागत पुतलीकलाओं से अवगत कराना तथा पुतलीकारों से मिलने का अवसर प्रदान करना जिससे कि प्रतिभागी शिक्षक/शिक्षिकाएं भारतीय पुतलीकला के ज्ञान को अर्जित करने में सक्षम हो सकें।
- शिक्षक/शिक्षिकाओं को सस्ती शैक्षिक सामग्री के निर्माण के लिए प्रोत्साहित करना तथा उनसे छात्रों के लिए कक्षा की पढ़ाई के अभिन्न भाग के रूप में रचनात्मक गतिविधियाँ करवाना।

उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चार भागों में विभाजित किया गया है –
: विभिन्न प्रकार की कठपुतलियों और उनकी हस्तकौशल तकनीकों की तैयारी।
: शैक्षिक पटकथा (स्क्रिप्ट) तैयार करना।
: कहानी कला, रोलप्ले, भाषण, माइम और मूवमेंट, संगीत और इसके नए-नए रूपों जैसे संबंधित कलाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण।
: विद्यालयी छात्रों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों का उत्पादन और प्रस्तुति जो संवादात्मक सत्र के माध्यम से व्यवहारिक रूप में दिया जाता है।

कार्यशाला की सफलता के लिए 'कठपुतली और पठकथा लेखन की अवधारणा' पर परिचयात्मक व्याख्यान सत्र बहुत महत्वपूर्ण है। कठपुतली के खेल का मूल एक अच्छा शैक्षिक संदेश होता है। कठपुतली नाटकों की पठकथा लिखने पर जोर दिया जाता है। दर्शकों को ध्यान में रखते हुए कठपुतली नाटकों के लिए उपयुक्त विषय चयन किए जाते हैं और प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई कहानियों पर चर्चा के बाद कुछ अच्छी कहानियों का चयन किया जाता है।

शिक्षकों को कठपुतली के क्षेत्रीय पारंपरिक रूपों से परिचित कराने के लिए समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों से पारंपरिक कलाकारों को आमंत्रित किया जाता है। प्रतिभागियों को देश में कठपुतली नाट्यकला की विभिन्न शैलियों से परिचित कराने के लिए भारत के पारंपरिक कठपुतली रंगमंच पर व्याख्यान-प्रदर्शन आयोजित किए जाते है। प्रतिभागियों को कागज की सरल कठपुतलियां बनाना जैसे की उंगली, मुखौटे और पेपर रॉड कठपुलियां और इसमें हस्तकौशल विकसित किया जाता है।

प्रतिभागियों को सूचित किया जाता है कि कार्यशाला का उद्देश्य शैक्षिक अवधारणाओं को व्यक्त करने और कक्षा में सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आसानी से उपलब्ध और व्यर्थ सामानों से कठपुतलियां बनाई जाती है।

प्रत्येक व्यवहारिक सत्र के बाद इन सभी कठपुतलियों का हस्तकौशल सिखाया जाता है। शिक्षक विभिन्न प्रकार की कठपुतलियों की सहायता से शैक्षिक कठपुतली कार्यक्रम बनाना सीखते हैं।

ऐतिहासिक महत्वों के स्थानों और संग्रहालयों का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया जाता है।

रंगमंच के लिए लोक संगीत/संगीत पर भी सत्र का आयोजन किया जाता है। केन्द्र द्वारा विकसित आधुनिक तकनीक का उपयोग कर कठपुतली कला के संसाधन सामग्री का समय-समय पर उपयोग किया जाता है।

उक्त कार्यशाला के सफल समापन के बाद भाग लेने वाले शिक्षक के माध्यम से विद्यालय को कठपुतली किट के साथ सीसीआरटी के कुछ शैक्षिक प्रकाशन उपहार में दिए जाते है।

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

'एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका' विषय पर कार्यशाला के लिए शिक्षकों की नियुक्ति करते समय कृपया निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान दिया जाए :

1. कार्यशाला सेवारत सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय शिक्षकों के लिए है जो कक्षा I से V तक पढ़ाते हों और उनकी आयु 52 वर्ष तक की होनी चाहिए। (पंजीकरण के समय जन्मतिथि का प्रमाण देना आवश्यक है)
2. विधालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिका/प्राधानाचार्य को कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।
3. जो शिक्षक आपके रिकार्ड के अनुसार सीसीआरटी द्वारा आयोजित 'शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका' विषय पर कार्यशाला में पहले भाग ले चुके है उन्हें दोबारा प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।
4. कोई भी संविदा या अस्थाई शिक्षक जैसे शिक्षा-कर्मी, शिक्षा-बन्धु, शिक्षा-मित्र, शिक्षक सुविधा प्रदाता, संविदा शिक्षक आदि प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।
5. चूंकि देश के विभिन्न भागों से आए हुए शिक्षकों के लाभ के लिए विशेषज्ञ द्विभाषी अर्थात हिन्दी और अंग्रेजी में अपना व्याख्यान देंगे इसलिए प्रतिभागियों को अंग्रेजी की समझ एवं उसमें काम करने आना चाहिए।
6. कार्यशाला में कैम्प का वातावरण रहेगा और यह लंबी अवधि के लिए होगा अत: शिक्षकों का स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए।
7. कोई भी प्रतिनियुक्त शिक्षक किसी भी परिस्थिति में अपने साथ किसी साथी/परिवार के सदस्यों को नहीं ला सकते हैं।
8. कार्यशाला में एक समय में एक विद्यालय से एक ही शिक्षक प्रतिनियुक्त किया जाना चाहिए।
9. आपका प्रतिनियुक्ति आदेश अंतिम आदेश माना जाएगा और सीसीआरटी किसी व्यक्ति के लिए चयन पत्र जारी नहीं करेगा।
10. सीसीआरटी के साथ पत्राचार के लिए हमारा संदर्भ पत्र संख्या और तारीख अवश्य उद्धृत किया जाना चाहिए।

कार्यशाला के पहले दिन पंजीकरण के लिए और कार्यशाला के अंतिम दिन वाहन भत्ता के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों को निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अलग कागज पर लाना जरूरी है :

1. जन्म तिथि प्रमाण-पत्र
2. स्कूल से कार्य मुक्त प्रमाण-पत्र
3. मूल वेतन प्रमाण-पत्र
4. कैंसिल चेक/ पासबुक के प्रथम पृष्ठ की प्रति
4. दो पासपोर्ट आकार की फोटो
5. टिकट/टिकट संख्या (आने की यात्रा की मूल प्रति और वापसी की यात्रा की फोटो कॉपी)। आने जाने का टिकट सबसे छोटे मार्ग का और हकदार कक्ष का होना चाहिए।

चूंकि यह विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों से प्रतिनियुक्त शिक्षकों के लिए एक साथ रहने, एक दूसरे से बातचीत करने और एक मंच साझा करने का एक अच्छा अवसर है इसलिए सम्भव हो तो उन्हें अपने क्षेत्र के कुछ पारंपरित कठपुतलियां लानी चाहिएं, जिन्हें कार्यशाला के बाद वापस कर दिया जाएगा।

प्रतिभागी शिक्षकों को अपना क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया जाएगा। इसलिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों से वेशभूषा, नृत्यों, लोकगीतों और सांस्कृतिक मूल्यों की अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं को लाने का भी अनुरोध किया जाता है। इन वस्तुओं को कार्यशाला के दौरान वे अपने अन्य राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के सहयोगियों के साथ साझा कर सकते हैं।

चूंकि कम समय में कन्फर्म रिटर्न आरक्षण प्राप्त करना कठिन है इसलिए हम सुझाव देना चाहेंगे कि प्रतिनियुक्त शिक्षक अपना 'रिटर्न रिजर्वेशन' अपने मुख्यालय से पहले ही करवा लें।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी)

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING (CCRT)

सेक्टर-7, प्लॉट नं. 15-ए, द्वारका, **नई दिल्ली /15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075**

दूरभाष/Telephone : (011)-25309300/Ext. 324/325

ई-मेल/E-mail: wksp.ccrt@nic.in, वेबसाइट/Webste: www.ccrtindia.gov.in

आवेदन पत्र ''एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका'' पर कार्यशाला
Application Form of Workshop on 'Role of Puppetry in Education in line with NEP 2020

कृपया सुनिश्चित करें कि/ **KINDLY ENSURE:**

- आवेदक द्वारा विवरण बड़े अक्षरों में भरा जाना चाहिए।
  Particulars to be filled in BLOCK LETTERS by the applicant.
- सभी विवरण ठीक से भरे गए हैं और फॉर्म में संबंधित संस्थान के प्राचार्य और संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी/स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी की सिफारिश के साथ-साथ संबंधित शिक्षक/शिक्षक प्रशिक्षक के हस्ताक्षर भी हैं।
  All the particulars have been filled in properly, and the form has the signatures of the teacher/teacher educator concerned along with the recommendations of both - the Principal of the concerned institution and concerned District Education Officer/Inspector of School/ Director of Education/Concerned Officer/Authority.

1. नाम सुश्री/श्रीमती/श्री Name Ms./Mrs./Mr. _____
2. पद/Designation _____
3. जन्म तिथि/Date of Birth _____
   (कृपया जन्मतिथि का प्रमाण संलग्न करें/Please attach proof of Date of Birth)
4. योग्यता एवं शिक्षण अनुभव/Qualifications & Teaching Experience _____
   _____
5. लिंग: पुरुष/महिला/Gender: Male/Female
6. श्रेणी: एससी/एसटी/ओबीसी/सामान्य/Category: SC/ST/OBC/General
7. क्या दिव्यांग व्यक्ति हैं/Whether specially challenged हां/नहीं Yes/No
   यदि हां, तो कृपया निर्दिष्ट करें/ If yes, please specify: _____

कृपया विभागाध्यक्ष द्वारा विधिवत प्रमाणित हालिया पासपोर्ट आकार की तस्वीर यहां चिपकाएं संस्थान/स्कूल
Please affix recent passport size photograph here duly attested by Head of the Institution/School

संस्थान/स्कूल का नाम और पता /Name and Address of the Institution/School:	आवासीय पता/Residential Address:
स्थान/Place:	स्थान/Place:
तालुक/Taluq :	तालुक/Taluq:
डाकघर/AT/PO:	डाकघर/AT/PO:
जिला/Dist.:	जिला/Dist.:
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:
फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:	फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID:	ईमेल/E-mail ID:

8. विद्यालय का प्रकार/Type of School: सरकारी/सरकारी मान्यता प्राप्त/पब्लिक/निजीGovernment/Govt. Aided/Public/Private

9. क्या आपका विद्यालय ग्रामीण/शहरी/आदिवासी क्षेत्र से है/Whether your school is from Rural/Urban/Tribal area
(कृपया (√) निशान लगाएं) (Please Put (√) Mark)

10. (अ) भाषाएँ, जिन्हें आप पढ़, लिख और बोल सकते हैं/ (a) Languages, which you can read, write & speak :

1. _____ 2. _____ 3. _____

(ब) अंग्रेजी का कार्यसाधक ज्ञान/ (b) Working Knowledge of English: (कृपया (√) निशान लगाएं)(Please Put (√) Mark)

अच्छा GOOD	औसत AVERAGE	खराब POOR

विषय (ओं) एवं पाठ्यक्रम स्तर/कक्षाएँ जिन्हें आप पढ़ाते हैं/Subject (s) and Course level/Class (es) that you teach:

विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं Class (es)	विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं/Class (es)
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

11. आपके विद्यालय/संस्थान में शिक्षण/निर्देश का माध्यम (भाषा)/
Medium of teaching/instructions in your school/institution (Language): _____

14. क्या आपके पास निम्नलिखित क्षेत्रों में कोई पिछला अनुभव है ? कठपुतली/रंगमंच/संगीत/नृत्य/पेंटिंग/माइम और मूवमेंट/ Do you have any past experience in the following fields? Puppetry/Theatre/Music/Dance/Painting/Mime and Movement
(कृपया (√) निशान लगाएं) (Please Put (√) Mark)

15. आपके अनुसार पुतलीकला का उपयोग एक प्रभावी शैक्षिक/शिक्षण सहायक सामाग्री के रूप में कैसे किया जा सकता है ? (कृपया टिप्पणी करें)
How do you think Puppetry can be used as an effective educational/teaching aid? (Please comment)

16. कृपया आपके विद्यालय/संस्था में उपलब्ध दृश्य-श्रव्य सहायक एवं उपकरण का उल्लेख करें।
Please mention the Audio-Visual Aid(s) and Equipment(s) available in your school/institution.

17. कृपया आपके विद्यालय/संस्था में उपलब्ध दृश्य-श्रव्य सहायक एवं उपकरण का उल्लेख करें।
Please mention the Audio-Visual Aid(s) and Equipment(s) available in your school/institution.

18. क्या आपने सीसीआरटी द्वारा आयोजित किसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है - यदि हां, तो कृपया उल्लेख करें।
Have you attended any training programme(s) organized by the CCRT – if so, please mention.
(अ) प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम/Name of the training programme(s) :
(ब) स्थान (प्रशिक्षण कार्यक्रम का स्थान)/ Place (Venue of the Training Programme(s) :
(स) दिनांक/अवधि/ Date/Duration :

मैं प्रमाणित करता/करती हूं कि ऊपर भरे गए सभी विवरण सही हैं और कोई भी गलत जानकारी देने के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
I certify that all the particulars filled in above are correct and I can be held responsible for furnishing any wrong information.

आवदेक के हस्ताक्षर/Signature of the Applicant _____
नाम/Name : _____
पद/Designation: _____
संघ शासित प्रदेश/राज्य/U.T./State* _____
तिथि/Date : _____

*जो लागू न हो, काट दे/*Strike off, whichever in not applicable.

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

संक्षिप्त नोट
'प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका' पर कार्यशाला

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) सेवारत अध्यापकों हेतु 'प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका' विषय पर कार्यशालाएँ आयोजित करता है, जो कि भिन्न-भिन्न भागों के अध्यापकों को अपनी संस्कृति के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करती हैं, ताकि प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक धरोहर की विविधता और समृद्धि के प्रति वे सराहना की भावना उत्पन्न कर सकें।

इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका का अध्ययन करना तथा छात्र एवं अध्यापकों को ऐसी गतिविधियाँ सुझाना है जो उन्हें देश की सेवा करने में मदद करें। इन कार्यशालाओं में शिक्षक/शिक्षिकाएँ स्थल के सांस्कृतिक परिवेश एवं जैव विविधता विषयक मूल्यों से परिचित होते हैं। इनके संरक्षण के महत्व तथा चुनौतियों के बारे में जानकारी दी जाती है। इन कार्यशालाओं के दौरान प्रतिभागियों में कार्यान्वयन की ऐसी क्रियात्मक योजना विकसित की जाती है जो छात्रों को एक जिम्मेदार नागरिक बनने और भारत की प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक धरोहर की सराहना व वातावरण की सुरक्षा करने हेतु प्रेरित करती है।

हमारे देश में तीव्र गति से विकास के कारण भौतिक वातावरण तथा सांस्कृतिक ढाँचे में बड़े पैमाने पर अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप, परिचित परिवेश और इससे संबंधित सांस्कृतिक पहचान खो रहे हैं। अत: इस वास्तविकता को जानना चाहिए कि हमने अज्ञान, जागरूकता की कमी एवं अनियोजित योजनाओं से जो कुछ खोया, उसकी पुन: प्राप्ति असंभव है, चाहे यह किसी पौधे की प्रजाति या ऐतिहासिक स्मारक ही हो ।

कार्यशालाओं में अध्यापकों को इसलिए आमंत्रित किया जाता है, जिससे विद्यार्थी देश को समृद्ध प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संसाधनों के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका की अनुभूति कर सकें।

कार्यशाला की अवधि लगभग 09 कार्य दिवसों की है।

उद्देश्य :

- प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका का अध्ययन करना।
- संरक्षण की ऐसी सरल तकनीकों का अध्ययन करना, जिनके द्वारा छात्रों/छात्राओं को उनके क्षेत्र में अवस्थित ऐतिहासिक स्मारकों तथा अन्य प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक विरासत की देखभाल में शामिल किया जा सके।
- कार्यान्वयन हेतु ऐसी व्यवहारिक योजना विकसित करना, जिससे छात्र/छात्राएं भारत के प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक विरासत का आदर करने के लिए प्रेरित हों एवं एक जिम्मेदार नागरिक बन सके।
- राष्ट्रीय अखण्डता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से देश के विभिन्न भागों से आए हुए शिक्षक/शिक्षिकाओं को स्थानीय छात्रों/छात्राओं के साथ रहने/ठहरने तथा विचार करने का सुअवसर प्रदान करना।
- संरक्षण के कानूनों की आधारभूत जानकारी प्रदान करना।

कार्यशाला में व्याख्यान, स्लाइड प्रस्तुतियाँ, संरक्षण गतिविधियाँ, स्मारकों और संग्रहालयों का अध्ययन, समूह चर्चाएँ, आदि शामिल हैं। विद्यालयी शिक्षा में स्थानीय प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा को बताने के लिए शैक्षिक सहायक सामग्री और खेल, कार्य-पत्रक और गतिविधि-पत्रक की तैयारी पर सत्र रखे जाते हैं।

'व्यवहारिक एवं क्रियाशील' अनुभव के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भारतीय सांस्कृतिक निधि (इन्टैक), राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है। शिक्षकों को कार्यक्षेत्र में व्यवहारिक अनुभव प्राप्त हो सके इसके लिए कुछ खुदाई कार्यों के दस्तावेजों का प्रस्तुतिकरण किया जाता है।

उक्त कार्यशाला के सफल समापन के बाद भाग लेने वाले शिक्षक के माध्यम से विद्यालय को सांस्कृतिक शैक्षिक किट उपहार में दी जाती है।

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

'प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका' विषय पर कार्यशाला के लिए शिक्षकों की नियुक्ति करते समय कृपया निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान दिया जाए :

1. **प्रतिनियुक्त शिक्षकों की आयु 52 वर्ष तक की होनी चाहिए।** (पंजीकरण के समय जन्मतिथि का प्रमाण देना आवश्यक है)

2. **कार्यशाला केवल सेवारत सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षकों के लिए है जो कक्षा 6 से 12 तक भाषा, इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, गणित विज्ञान, ललित कला, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, संगीत आदि विषय पढ़ते हों** एवं प्रशिक्षण के लिए योग, शारीरिक शिक्षा और SUPW विषयों से संबंधित शिक्षक के नाम की अनुशंसा नहीं की जानी चाहिए।

3. विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिका/प्राधानाचार्य को कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

4. जो शिक्षक आपके रिकार्ड के अनुसार सीसीआरटी द्वारा आयोजित 'प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका' विषय पर कार्यशाला में पहले भाग ले चुके है उन्हें दोबारा प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

5. कोई भी संविदा या अस्थाई शिक्षक जैसे शिक्षा-कर्मी, शिक्षा-बन्धु, शिक्षा-मित्र, शिक्षक सुविधा प्रदाता, संविदा शिक्षक आदि प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

6. चूंकि देश के विभिन्न भागों से आए हुए शिक्षकों के लाभ के लिए विशेषज्ञ द्विभाषी अर्थात हिन्दी और अंग्रेजी में अपना व्याख्यान देंगे इसलिए प्रतिभागियों को अंग्रेजी की समझ एवं उसमें काम करना आना चाहिए।

7. कार्यशाला में कैम्प का वातावरण रहेगा और यह लंबी अवधि के लिए होगा अत: शिक्षकों का स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए।

8. कार्यशाला में एक समय में एक विद्यालय से एक ही शिक्षक प्रतिनियुक्त किया जाना चाहिए।

9. कोई भी प्रतिनियुक्त शिक्षक किसी भी परिस्थिति में अपने साथ किसी साथी/परिवार के सदस्यों को नहीं ला सकते हैं।

10. आपका प्रतिनियुक्ति आदेश अंतिम आदेश माना जाएगा और सीसीआरटी किसी व्यक्ति के लिए चयन पत्र जारी नहीं करेगा।

11. सीसीआरटी के साथ पत्राचार के लिए हमारा संदर्भ पत्र संख्या और तारीख अवश्य उद्धृत किया जाना चाहिए।

कार्यशाला के पहले दिन पंजीकरण के लिए और कार्यशाला के अंतिम दिन वाहन भत्ता के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों को निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अलग कागज पर लाना जरूरी है :

1. जन्म तिथि प्रमाण-पत्र
2. स्कूल से कार्य मुक्त प्रमाण-पत्र
3. मूल वेतन प्रमाण-पत्र
4. कैंसिल चेक/ पासबुक के प्रथम पृष्ठ की प्रति
4. दो पासपोर्ट आकार की फोटो
5. टिकट/टिकट संख्या (आने की यात्रा की मूल प्रति और वापसी की यात्रा की फोटो कॉपी)। आने जाने का टिकट सबसे छोटे मार्ग का और हकदार कक्ष का होना चाहिए।

चूंकि यह विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों से प्रतिनियुक्त शिक्षकों के लिए एक साथ रहने, एक दूसरे से बातचीत करने और एक मंच साझा करने का एक अच्छा अवसर है इसलिए सम्भव हो तो उन्हें अपने विषयों की पाठ्य पुस्तकें एवं अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सामाजिक विज्ञान पुस्तकों को साथ में लाने के लिए कहा जा सकता है।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी)
CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING (CCRT)
सेक्टर-7, प्लॉट नं. 15-ए, द्वारका, **नई दिल्ली /15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075**
दूरभाष/Telephone : (011)-25309300/Ext. 324/325
ई-मेल/E-mail: wksp.ccrt@nic.in, वेबसाइट/Webste: www.ccrtindia.gov.in

प्रतिभागी शिक्षकों को अपना क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया जाएगा। इसलिए प्रतिनियुक्त शिक्षक से वेशभूषा, नृत्यों, लोकगीतों और सांस्कृतिक मूल्यों की अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं को लाने का भी अनुरोध किया जाता है। इन वस्तुओं को कार्यशाला के दौरान वे अपने अन्य राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के सहयोगियों के साथ साझा कर सकते हैं।

चूंकि कम समय में कन्फर्म रिटर्न आरक्षण प्राप्त करना कठिन है इसलिए हम सुझाव देना चाहेंगे कि प्रतिनियुक्त शिक्षक अपना 'रिटर्न रिजर्वेशन' अपने मुख्यालय से पहले ही करवा लें।

आवेदन पत्र 'प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका' पर कार्यशाला
Application Form of Workshop on 'Role of Schools in Conservation of Natural and Cultural Heritage'

कृपया सुनिश्चित करें कि/ **KINDLY ENSURE:**

- आवेदक द्वारा विवरण बड़े अक्षरों में भरा जाना चाहिए।
  Particulars to be filled in BLOCK LETTERS by the applicant.
- सभी विवरण ठीक से भरे गए हैं और फॉर्म में संबंधित संस्थान के प्राचार्य और संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी/स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी की सिफारिश के साथ-साथ संबंधित शिक्षक/शिक्षक प्रशिक्षक के हस्ताक्षर भी हैं।
  All the particulars have been filled in properly, and the form has the signatures of the teacher/teacher educator concerned along with the recommendations of both - the Principal of the concerned institution and concerned District Education Officer/Inspector of School/ Director of Education/Concerned Officer/Authority.

1. नाम सुश्री/श्रीमती/श्री Name Ms./Mrs./Mr. _____
2. पद/Designation _____
3. जन्म तिथि/Date of Birth _____
   (कृपया जन्मतिथि का प्रमाण संलग्न करें/Please attach proof of Date of Birth)
4. योग्यता एवं शिक्षण अनुभव/Qualifications & Teaching Experience _____
   _____
5. लिंग: पुरुष/महिला/Gender: Male/Female
6. श्रेणी: एससी/एसटी/ओबीसी/सामान्य/Category: SC/ST/OBC/General
7. क्या दिव्यांग व्यक्ति हैं/Whether specially challenged हां/नहीं Yes/No

   यदि हां, तो कृपया निर्दिष्ट करें/ If yes, please specify: _____
8.

कृपया विभागाध्यक्ष द्वारा विधिवत प्रमाणित हालिया पासपोर्ट आकार की तस्वीर यहां चिपकाएं संस्थान/स्कूल
Please affix recent passport size photograph here duly attested by Head of the Institution/School

संस्थान/स्कूल का नाम और पता /Name and Address of the Institution/School:	आवासीय पता/Residential Address:
स्थान/Place:	स्थान/Place:
तालुक/Taluq :	तालुक/Taluq:

डाकघर/AT/PO:	डाकघर/AT/PO:
जिला/Dist.:	जिला/Dist.:
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:
फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:	फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID:	ईमेल/E-mail ID:

9. विद्यालय का प्रकार/Type of School: सरकारी/सरकारी मान्यता प्राप्त/पब्लिक/निजीGovernment/Govt. Aided/Public/Private

10. क्या आपका विद्यालय ग्रामीण/शहरी/आदिवासी क्षेत्र से है/Whether your school is from Rural/Urban/Tribal area (कृपया (√) निशान लगाएं) (Please Put (√) Mark)

11. (अ) भाषाएँ, जिन्हें आप पढ़, लिख और बोल सकते हैं/ (a) Languages, which you can read, write & speak

1. _____ 2. _____ 3. _____

(ब) अंग्रेजी का कार्यसाधक ज्ञान/ (b) Working Knowledge of English: (कृपया (√) निशान लगाएं)(Please Put (√) Mark)

अच्छा GOOD	औसत AVERAGE	खराब POOR

12. विषय (ओं) एवं पाठ्यक्रम स्तर/कक्षाएँ जिन्हें आप पढ़ाते हैं/Subject (s) and Course level/Class (es) that you teach:

विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं Class (es)	विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं/Class (es)
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

13. आपके विद्यालय/संस्थान में शिक्षण/निर्देश का माध्यम (भाषा)/ Medium of teaching/instructions in your school/institution (Language): _____

14. कृपया आपके विद्यालय/संस्था में उपलब्ध दृश्य-श्रव्य सहायक एवं उपकरण का उल्लेख करें।
Please mention the Audio-Visual Aid(s) and Equipment(s) available in your school/institution.

15. क्या आपने सीसीआरटी द्वारा आयोजित किसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है - यदि हां, तो कृपया उल्लेख करें।
Have you attended any training programme(s) organized by the CCRT – if so, please mention.

(अ) प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम/Name of the training programme(s) :

(ब) स्थान (प्रशिक्षण कार्यक्रम का स्थान)/ Place (Venue of the Training Programme(s) :

(स) दिनांक/अवधि/ Date/Duration :

मैं प्रमाणित करता/करती हूं कि ऊपर भरे गए सभी विवरण सही हैं और कोई भी गलत जानकारी देने के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
I certify that all the particulars filled in above are correct and I can be held responsible for furnishing any wrong information.

आवदेक के हस्ताक्षर/Signature of the Applicant _____

नाम/Name : _____

पद/Designation: _____

संघ शासित प्रदेश/राज्य/U.T./State* _____

तिथि/Date : _____

*जो लागू न हो, काट दे/*Strike off, whichever in not applicable.

महत्वपूर्ण: इस फॉर्म को चयन के लिए तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि निम्नलिखित दोनों संबंधित अग्रेषण प्राधिकारियों द्वारा इसे अग्रेषित नहीं किया जाता है।

Important : This form will not be considered for selection unless forwarded by both the following concerned forwarding authorities.

डी.ई.ओ./स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर/Signature of D.E.O./Inspector of School/ Director of Edn./Concerned Officer/ Authority :	प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर/Signature of the Headmaster/ Principal:
नाम/Name	नाम/Name
पद/Designation	
मुहर/Seal	मुहर/Seal
एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नं. (कार्यलय)/Telephone no.(O) with STD Code:	एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नं.(कार्यलय)/Telephone no.(O) with STD Code:
टेलीफोन नं.(आवास) एसटीडी कोड के साथ/Tel .No. (R) with STD Code:	टेलीफोन नं.(आवास) एसटीडी कोड के साथ /Tel. No. (R) with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID	ईमेल/E-mail ID

यदि मुहरें क्षेत्रीय भाषा में हैं, तो कृपया चयन की प्रक्रिया में देरी से बचने के लिए प्रायोजक प्राधिकारी का नाम और पदनाम हिंदी या अंग्रेजी में निर्दिष्ट करें।
In case the seal(s) are in regional language, kindly specify the name and designation of the sponsoring authority in Hindi or English to avoid delay in the process of selection.

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

संक्षिप्त नोट
'विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' पर कार्यशाला

शिक्षा को सभी स्तरों पर सामाजिक परिवर्तनों का एक शक्तिशाली माध्यम माना जाता है। आज देश में शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य लोगों को लोकतांत्रिक, समाजवादी, सर्वधर्म समभाव के लिए तैयार करना है। शैक्षिक संस्थानों में 'विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश'कार्यान्वित करने का उद्देश्य इसी लक्ष्य की प्राप्ति करना है। इसलिए यह विद्यालय पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग ही नहीं है बल्कि विद्यालय पाठ्यक्रम के अन्य विषयों से भी संबंध रखता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के कार्य योजना के अनुसार, शिक्षा को संस्कृति के साथ जोड़ने का मूल उद्देश्य, बच्चों में निहित प्रतिभा को खोजना एवं उसको रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करना है। इसकी प्राप्ति सीखने-सिखाने की प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रम के पुन: अनुस्थापन तथा अध्यापकों को विभिन्न स्तरों पर विद्यार्थियों के साथ संबंध स्थापित करने की अभिप्रेरणा द्वारा हो सकती है।

हमारे देश की हस्तकलाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर की अमूल्य देन हैं, जो मानव के सौन्दर्य-बोध की आवश्यकता एवं अभिव्यक्ति की जिज्ञासा का माध्यम है। हस्तकलाओं का वास्तविक महत्व प्रत्येक वस्तु के नयेपन व उपयोगिता में निहित है।

आज हम न केवल अपनी प्राचीन विरासत को खो रहे हैं बल्कि अपनी सामाजिक संरचना का एक आवश्यक तत्व भी खो रहे हैं जो एक मजबूत जोड़ने वाली शक्ति रही है। 'विद्यालयी शिसक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' देश की समृद्ध धरोहर एवं सांस्कृतिक परम्पराओं के पुनर्गठन और इनको पुन: जीवित करने के अवसरों को प्रदान करता है तथा विद्यार्थियों में रचनात्मकता को भी प्रोत्साहित करता है। 'विद्यालयों शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' कार्यशाला के दौरान अध्यापक 3-4 शिल्पकलाओं को गहन रूप से सीखते हैं। सामान्यत: मिट्टी के बर्तन बनाना, मिट्टी के खिलौने बनाना, पेपर मेशी, मुखोटे बनाना, बांधनी, रंगोली, बेंत का कार्य, जिल्दसाजी, कागज के खिलौने बनाना आदि शिल्पकलाएं सिखाई जाती हैं। सांप्रदायिक सद्भाव की चेतना और सभी भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करने के लिए राष्ट्रीय भाषाओं में गीत सिखाने के लिए भी कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। भारतीय हस्तशिल्प एवं संस्कृति से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान तथा स्लाइड-प्रदर्शन किए जाते हैं , शिल्प में सौन्दर्य बोध पर विशेष बल दिया जाता है तथा पाठ्यक्रम शिक्षण में रचनात्मक गतिविधियों हेतु सीसीआरटी की शैक्षिक सामग्री काउपयोग किए जाने पर भी सत्र आयोजित किए जाते हैं।

यह कार्यशाला लगभग 9 कार्य दिवसों की होती है।

उद्देश्य :

- भारतीय शिल्प-कलाओं के प्रति रूचि जागृत करना और समकालीन जीवन में उनकी प्रासंगिकता का अध्ययन करना।
- स्थानीय शिल्पकला संसाधनों के महत्त्व को जानने में शिक्षक/शिक्षिकाओं की मदद करना।
- कार्यशाला के दौरान उत्पन्न नई जागृति के साथ विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश, पाठ्यक्रम हेतु शिक्षकों/शिक्षिकाओं का मार्गदर्शन करना।
- शिल्पकारों की जीवन-शैली के बारे में जानकारी हासिल करना और समाज में उनकी भूमिका की पहचान स्थापित करना।
- शिक्षक/शिक्षिकाओं के मन में शिक्षा के मूल्य का महत्त्व बिठाना, सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान करना और उन्हें ऐसी परियोजनाएँ बनाने के लिए सुझाव देना, जिनका सामुदायिक कल्याण के कार्य के दौरान उपयोग हो सके।
- श्रम की महत्वता को समझाना।
- भारतीय संस्कृति के प्रति सौंदर्यबोध की प्रासंगिकता जागृत करना।

सामुदायिक सेवा इन कार्यशालाओं का एक महत्वपूर्ण घटक है। पारंपरिक शिल्प और आधुनिक तकनीकों के बीच एक पुल प्रदान करने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम पर जोर दिया गया है। आधुनिक समाज में शिल्प परम्पराओं के प्रयोग में भी नवीनता के प्रयास किये जा रहे हैं। विद्यालयी छत्र/छत्राओ के साथ बातचीत भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा है।

उक्त कार्यशाला के सफल समापन के बाद भाग लेने वाले शिक्षक के माध्यम से विद्यालय को सीसीआरटी सांस्कृतिक शैक्षिक किट उपहार में दी जाती है।

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

'विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' पर कार्यशाला के लिए शिक्षकों की नियुक्ति करते समय कृपया निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान दिया जाए :

1. **प्रतिनियुक्त शिक्षकों की आयु 52 वर्ष तक की होनी चाहिए। (पंजीकरण के समय जन्मतिथि प्रमाण पत्र देना आवश्यक है)**

2. **कार्यशाला केवल सेवारत सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षकों के लिए है जो कक्षा 1 से 10 तक क्राफ्ट, ड्राइंग, पेंटिंग, कला, शारीरिक शिक्षा और SUPW आदि विषय पढ़ाते हों।**

3. विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिका/प्राधानाचार्य एवं योग/शारीरिक शिक्षा के शिक्षकों को कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

4. जो शिक्षक आपके रिकार्ड के अनुसार सीसीआरटी द्वारा आयोजित **'विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश'** विषय पर कार्यशाला में पहले भाग ले चुके है उन्हें दोबारा प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

5. कोई भी संविदा या अस्थाई शिक्षक जैसे शिक्षा-कर्मी, शिक्षा-बन्धु, शिक्षा-मित्र, शिक्षक सुविधा प्रदाता, संविदा शिक्षक आदि प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

6. चूंकि देश के विभिन्न भागों से आए हुए शिक्षकों के लाभ के लिए विशेषज्ञ द्विभाषी अर्थात हिन्दी और अंग्रेजी में अपना व्याख्यान देंगे इसलिए प्रतिभागियों को अंग्रेजी की समझ एवं उसमें काम करना आना चाहिए।

7. कार्यशाला में कैम्प का वातावरण रहेगा और यह लंबी अवधि के लिए होगा अत: शिक्षकों का स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए।

8. कार्यशाला में एक समय में एक विद्यालय से एक ही शिक्षक प्रतिनियुक्त किया जाना चाहिए।

9. कोई भी प्रतिनियुक्त शिक्षक किसी भी परिस्थिति में अपने साथ किसी साथी/परिवार के सदस्यों को नहीं ला सकते हैं।

10. आपका प्रतिनियुक्ति आदेश अंतिम आदेश माना जाएगा और सीसीआरटी किसी व्यक्ति के लिए चयन पत्र जारी नहीं करेगा।

11. सीसीआरटी के साथ पत्राचार के लिए हमारा संदर्भ पत्र संख्या और तारीख अवश्य उद्धृत किया जाना चाहिए।

कार्यशाला के पहले दिन पंजीकरण के लिए और कार्यशाला के अंतिम दिन वाहन भत्ता के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों को निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अलग कागज पर लाना जरूरी है :

1. जन्म तिथि प्रमाण-पत्र
2. स्कूल से कार्य मुक्त प्रमाण-पत्र
3. मूल वेतन प्रमाण-पत्र
4. कैंसिल चेक/ पासबुक के प्रथम पृष्ठ की प्रति
4. दो पासपोर्ट आकार की फोटो
5. टिकट/टिकट संख्या (आने की यात्रा की मूल प्रति और वापसी की यात्रा की फोटो कॉपी)। आने जाने का टिकट सबसे छोटे मार्ग का और हकदार कक्ष का होना चाहिए।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी)
CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING (CCRT)
सेक्टर-7, प्लॉट नं. 15-ए, द्वारका, **नई दिल्ली /15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075**
दूरभाष/Telephone : (011)-25309300/Ext. 324/325
ई-मेल/E-mail: wksp.ccrt@nic.in, वेबसाइट/Website: www.ccrtindia.gov.in

चूंकि यह विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों से प्रतिनियुक्त शिक्षकों के लिए एक साथ रहने, एक दूसरे से बातचीत करने और एक मंच साझा करने का एक अच्छा अवसर है इसलिए सम्भव हो तो उन्हें अपने विषयों की पाठ्य पुस्तकें एवं अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सामाजिक विज्ञान पुस्तकों को साथ में लाने के लिए कहा जा सकता है।

प्रतिभागी शिक्षकों को अपना क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया जाएगा। इसलिए प्रतिनियुक्त शिक्षक से वेशभूषा, नृत्यों, लोकगीतों और सांस्कृतिक मूल्यों की अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं को लाने का भी अनुरोध किया जाता है। इन वस्तुओं को कार्यशाला के दौरान वे अपने अन्य राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के सहयोगियों के साथ साझा कर सकते हैं।

चूंकि कम समय में कन्फर्म रिटर्न आरक्षण प्राप्त करना कठिन है इसलिए हम सुझाव देना चाहेंगे कि प्रतिनियुक्त शिक्षक अपना 'रिटर्न रिजर्वेशन' अपने मुख्यालय से पहले ही करवा लें।

आवेदन पत्र 'विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' पर कार्यशाला
Application Form of Workshop on 'Integrating Craft Skills in School Education'

कृपया सुनिश्चित करें कि/ **KINDLY ENSURE:**

- आवेदक द्वारा विवरण बड़े अक्षरों में भरा जाना चाहिए।
  Particulars to be filled in BLOCK LETTERS by the applicant.
- सभी विवरण ठीक से भरे गए हैं और फॉर्म में संबंधित संस्थान के प्राचार्य और संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी/स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी की सिफारिश के साथ-साथ संबंधित शिक्षक/शिक्षक प्रशिक्षक के हस्ताक्षर भी हैं।
  All the particulars have been filled in properly, and the form has the signatures of the teacher/teacher educator concerned along with the recommendations of both - the Principal of the concerned institution and concerned District Education Officer/Inspector of School/ Director of Education/Concerned Officer/Authority

1. नाम सुश्री/श्रीमती/श्री Name Ms./Mrs./Mr. _____
2. पद/Designation _____
3. जन्म तिथि/Date of Birth _____
   (कृपया जन्मतिथि का प्रमाण संलग्न करें/Please attach proof of Date of Birth)
4. योग्यता एवं शिक्षण अनुभव/Qualifications & Teaching Experience _____
   _____
5. लिंग: पुरुष/महिला/Gender: Male/Female
6. श्रेणी: एससी/एसटी/ओबीसी/सामान्य/Category: SC/ST/OBC/General
7. क्या दिव्यांग व्यक्ति हैं/Whether specially challenged हां/नहीं Yes/No

   यदि हां, तो कृपया निर्दिष्ट करें/ If yes, please specify: _____

कृपया विभागाध्यक्ष द्वारा विधिवत प्रमाणित हालिया पासपोर्ट आकार की तस्वीर यहां चिपकाएं संस्थान/स्कूल
Please affix recent passport size photograph here duly attested by Head of the Institution/School

8.

संस्थान/स्कूल का नाम और पता /Name and Address of the Institution/School:	आवासीय पता/Residential Address:

स्थान/Place:	स्थान/Place:
तालुक/Taluq :	तालुक/Taluq:
डाकघर/AT/PO:	डाकघर/AT/PO:
जिला/Dist.:	जिला/Dist.:
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:
फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:	फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID:	ईमेल/E-mail ID:

9. विद्यालय का प्रकार/Type of School: सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त/पब्लिक/निजीGovernment/Govt. Aided/Public/Private

10. क्या आपका विद्यालय ग्रामीण/शहरी/आदिवासी क्षेत्र से है/Whether your school is from Rural/Urban/Tribal area
(कृपया (√) निशान लगाएं) (Please Put (√) Mark)

11. (अ) भाषाएँ, जिन्हें आप पढ़, लिख और बोल सकते हैं/ (a) Languages, which you can read, write & speak :

1. _____ 2. _____ 3. _____

(ब) अंग्रेजी का कार्यसाधक ज्ञान/ (b) Working Knowledge of English: (कृपया (√) निशान लगाएं)(Please Put (√) Mark)

अच्छा GOOD	औसत AVERAGE	खराब POOR

17. विषय (ओं) एवं पाठ्यक्रम स्तर/कक्षाएँ जिन्हें आप पढ़ाते हैं/Subject (s) and Course level/Class (es) that you teach:

विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं Class (es)	विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं/Class (es)
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

18. आपके विद्यालय/संस्थान में शिक्षण/निर्देश का माध्यम (भाषा)/
Medium of teaching/instructions in your school/institution (Language): _____

19. कृपया आपके विद्यालय/संस्था में उपलब्ध दृश्य-श्रव्य सहायक एवं उपकरण का उल्लेख करें।
Please mention the Audio-Visual Aid(s) and Equipment(s) available in your school/institution.

20. उन हस्तशिल्पों का उल्लेख करें जो आपके राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में लोकप्रिय हैं/Mention the Handicrafts that are popular in your State/UT:

1. _____ 2. _____

21. क्या आपने सीसीआरटी द्वारा आयोजित किसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है - यदि हां, तो कृपया उल्लेख करें।
Have you attended any training programme(s) organized by the CCRT – if so, please mention.

(अ) प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम/Name of the training programme(s) :
(ब) स्थान (प्रशिक्षण कार्यक्रम का स्थान)/ Place (Venue of the Training Programme(s) :
(स) दिनांक/अवधि/ Date/Duration :

मैं प्रमाणित करता/करती हूं कि ऊपर भरे गए सभी विवरण सही हैं और कोई भी गलत जानकारी देने के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
I certify that all the particulars filled in above are correct and I can be held responsible for furnishing any wrong information.

आवदेक के हस्ताक्षर/Signature of the Applicant _____
नाम/Name : _____
पद/Designation: _____
संघ शासित प्रदेश/राज्य/U.T./State* _____
तिथि/Date : _____

*जो लागू न हो, काट दे/*Strike off, whichever in not applicable.

महत्वपूर्ण: इस फॉर्म को चयन के लिए तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि निम्नलिखित दोनों संबंधित अग्रेषण प्राधिकारियों द्वारा इसे अग्रेषित नहीं किया जाता है।

Important : This form will not be considered for selection unless forwarded by both the following concerned forwarding authorities.

डी.ई.ओ./स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर/Signature of D.E.O./Inspector of School/ Director of Edn./Concerned Officer/ Authority :	प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर/Signature of the Headmaster/ Principal:
नाम/Name	नाम/Name
पद/Designation	
मुहर/Seal	मुहर/Seal
एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नं. (कार्यलय)/Telephone no.(O) with STD Code:	एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नं.(कार्यलय)/Telephone no.(O) with STD Code:
टेलीफोन नं.(आवास) एसटीडी कोड के साथ/Tel .No. (R) with STD Code:	टेलीफोन नं.(आवास) एसटीडी कोड के साथ /Tel. No. (R) with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID	ईमेल/E-mail ID

यदि मुहरें क्षेत्रीय भाषा में हैं, तो कृपया चयन की प्रक्रिया में देरी से बचने के लिए प्रायोजक प्राधिकारी का नाम और पदनाम हिंदी या अंग्रेजी में निर्दिष्ट करें।
In case the seal(s) are in regional language, kindly specify the name and designation of the sponsoring authority in Hindi or English to avoid delay in the process of selection.

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

संक्षिप्त नोट
'हमारी सांस्कृतिक विविधता' पर कार्यशाला

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) सेवारत अध्यापकों हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, जो कि भिन्न-भिन्न भागों के अध्यापकों को अपनी संस्कृति के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करती हैं, ताकि प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक धरोहर की विविधता और समृद्धि के प्रति वे सराहना की भावना उत्पन्न कर सकें। ये कार्यक्रम शिक्षकों को विभिन्न अनुशासनों, एक दुसरे के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करते हैं ताकि शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण अंतर-संबंधित हो सके शिक्षक-शिक्षण की प्रक्रिया कम विभाजित हो और समृद्ध शैक्षिक अनुभव वाले छात्र तैयार कर सकें।

हमारे देश में विकास की तीव्र गति ने भौतिक पर्यावरण और सांस्कृतिक ढांचे दोनों में अभूतपूर्व पैमाने पर परिवर्तन लाये हैं। परिणामस्वरूप, एक परिचित परिवेश और संबंधित सांस्कृतिक पहचान खो रहे हैं। इस बात को समझना चाहिए कि उपेक्षा, चिंता और विचारहीन योजना के कारण आज हम क्या खो रहे हैं जिसे दोबारा प्राप्त नहीं किया जा सकता; यह एक पौधे की प्रजाति या कोई ऐतिहासिक स्मारक भी हो सकता है।

सदियों से, भारत की समृद्ध और अलंकृत संस्कृति को या तो भुला दिया गया है या समय की धूल से ढक दिया गया है, प्रमाणिक जानकारी के अभाव के कारण गलत व्याख्या की गई। इस युग में पर्यावरण और प्रकृति के साथ हमारे अंतर्निहित संबंध खतरे में हैं जबकि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और सद्भावना के मूल्य की बार-बार कड़ी परीक्षा होती है। लिंग, उम्र, धार्मिक मान्यताओं, सामाजिक और वित्तीय स्थिति के साथ-साथ क्षेत्रीय या भाषाई प्राथमिकताओं के अंतर के बावजूद जीवन और इसकी समृद्ध सुंदरता का जश्न मनाने की खुशी को एक साथ फिर से बनाना महत्वपूर्ण है।

यह कहना गलत नहीं है कि यह विद्यालय है जहां राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति, सामाजिक सद्भाव और धर्मनिरपेक्षता की नींव मजबूती से रखी जा सकती है। यहीं पर एकता और विविधता की गतिशील अवधारणा को युवाओं में समाहित किया जा सकता है ताकि यह मस्तिष्क का एक हिस्सा बन सके।

"हमारी सांस्कृतिक विविधता" पर कार्यशाला इस बात पर केंद्रित है कि स्कूल राष्ट्रीयता को बढ़ावा देने में कैसे मदद कर सकते हैं और छात्रों के बीच राष्ट्रीय एकता के उनके उद्देश्यों को एकीकरण का अभिन्न अंग बनाया जा सकता है। यह कार्यशाला जागरूकता पैदा करने और हमारे देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति को समझने के लिए सीसीआरटी की एक पहल भी है।

इस कार्यशाला में शिक्षकों को विद्यालयी छात्रों को भविष्य में हमारे देश के समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों के संरक्षक की भूमिका के प्रति संवेदनशील बनाने का कार्य करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

यह कार्यशाला लगभग 9 कार्य दिवसों की होती है।

उद्देश्य:

- भारत की जातीय और सांस्कृतिक विविधता के बारे में जागरूकता पैदा करना;
- शिक्षकों को विविध सांस्कृतिक परंपराओं और उसकी अभिव्यक्तियों को समझना और साहित्यिक कला, प्रदर्शन कला और दृश्य कला जैसे विभिन्न कला रूपों की सराहना करना;
- शिक्षकों में कला और अन्य समुदाय के परंपराओं के प्रति प्रशंसा, प्रेम और सम्मान का दृष्टिकोण विकसित करने के लिए उन्मुख करना और;
- उत्तर पूर्वी भारत के विशेष संदर्भ में जातीय समुदायों की समृद्ध परंपरा का दस्तावेजीकरण करना;
- एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में कक्षा में सांस्कृतिक घटकों को शामिल करने के लिए विविध सांस्कृतिक परंपराओं को शिक्षाशास्त्र के रूप में उपयोग करना;
- देश के विभिन्न हिस्सों के शिक्षकों को एक साथ रहने और एक-दूसरे के साथ, स्थानीय छात्रों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करना और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देना।

कार्यशाला में व्याख्यान, स्लाइड प्रस्तुतियाँ, संरक्षण गतिविधियाँ, स्मारकों और संग्रहालयों का अध्ययन, समूह चर्चाएँ, आदि शामिल हैं। स्कूली शिक्षा में संग्रहालयों के महत्व को बताने के लिए शैक्षिक सहायता और खेल, कार्य-पत्रक और गतिविधि-पत्रक की तैयारी पर सत्र रखे जाते हैं।

उक्त कार्यशाला के सफल समापन के बाद भाग लेने वाले शिक्षक के माध्यम से सीसीआरटी सांस्कृतिक शैक्षिक किट स्कूल को उपहार में दी जाती है।

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

'हमारी सांस्कृतिक विविधता' विषय पर कार्यशाला के लिए शिक्षकों की नियुक्ति करते समय कृपया निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान दिया जाए :

1. **प्रतिनियुक्त शिक्षकों की आयु 52 वर्ष तक की होनी चाहिए।** (पंजीकरण के समय जन्मतिथि प्रमाण पत्र देना आवश्यक है)

2. **कार्यशाला केवल सेवारत सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षकों के लिए है जो कक्षा 1 से 12 तक भाषा, इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, गणित, विज्ञान, ललित कला, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, संगीत आदि विषय पढ़ाते हों** एवं प्रशिक्षण के लिए योग, शारीरिक शिक्षा और SUPW विषयों से संबंधित शिक्षक के नाम की अनुशंसा नहीं की जानी चाहिए।

3. विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिका/प्राधानाचार्य को कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

4. जो शिक्षक आपके रिकार्ड के अनुसार सीसीआरटी द्वारा आयोजित 'हमारी सांस्कृतिक विविधता' विषय पर कार्यशाला में पहले भाग ले चुके है उन्हें दोबारा प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

5. कोई भी संविदा या अस्थाई शिक्षक जैसे शिक्षा-कर्मी, शिक्षा-बन्धु, शिक्षा-मित्र, शिक्षक सुविधा प्रदाता, संविदा शिक्षक आदि प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

6. चूंकि देश के विभिन्न भागों से आए हुए शिक्षकों के लाभ के लिए विशेषज्ञ द्विभाषी अर्थात हिन्दी और अंग्रेजी में अपना व्याख्यान देंगे इसलिए प्रतिभागियों को अंग्रेजी की समझ एवं उसमें काम करना आना चाहिए।

7. कार्यशाला में कैम्प का वातावरण रहेगा और यह लंबी अवधि के लिए होगा अत: शिक्षकों का स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए।

8. कार्यशाला में एक समय में एक विद्यालय से एक ही शिक्षक प्रतिनियुक्त किया जाना चाहिए।

9. कोई भी प्रतिनियुक्त शिक्षक किसी भी परिस्थिति में अपने साथ किसी साथी/परिवार के सदस्यों को नहीं ला सकते हैं।

10. आपका प्रतिनियुक्ति आदेश अंतिम आदेश माना जाएगा और सीसीआरटी किसी व्यक्ति के लिए चयन पत्र जारी नहीं करेगा।

11. सीसीआरटी के साथ पत्राचार के लिए हमारा संदर्भ पत्र संख्या और तारीख अवश्य उद्धृत किया जाना चाहिए।

कार्यशाला के पहले दिन पंजीकरण के लिए और कार्यशाला के अंतिम दिन वाहन भत्ता के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों को निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अलग कागज पर लाना जरूरी है :

1. जन्म तिथि प्रमाण-पत्र
2. स्कूल से कार्य मुक्त प्रमाण-पत्र
3. मूल वेतन प्रमाण-पत्र
4. कैंसिल चेक/ पासबुक के प्रथम पृष्ठ की प्रति
5. दो पासपोर्ट आकार की फोटो
6. टिकट/टिकट संख्या (आने की यात्रा की मूल प्रति और वापसी की यात्रा की फोटो कॉपी)। आने जाने का टिकट सबसे छोटे मार्ग का और हकदार कक्ष का होना चाहिए।

चूंकि यह विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों से प्रतिनियुक्त शिक्षकों के लिए एक साथ रहने, एक दूसरे से बातचीत करने और एक मंच साझा करने का एक अच्छा अवसर है इसलिए सम्भव हो तो उन्हें अपने विषयों की पाठ्य पुस्तकें एवं अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सामाजिक विज्ञान पुस्तकों को साथ में लाने के लिए कहा जा सकता है।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी)
CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING (CCRT)
सेक्टर-7, प्लॉट नं. 15-ए, द्वारका, **नई दिल्ली /15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075**
दूरभाष/Telephone : (011)-25309300/Ext. 324/325

ई-मेल/E-mail: wksp.ccrt@nic.in, वेबसाइट/Website: www.ccrtindia.gov.in

प्रतिभागी शिक्षकों को अपना क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया जाएगा। इसलिए प्रतिनियुक्त शिक्षक से वेशभूषा, नृत्यों, लोकगीतों और सांस्कृतिक मूल्यों की अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं को लाने का भी अनुरोध किया जाता है। इन वस्तुओं को कार्यशाला के दौरान वे अपने अन्य राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के सहयोगियों के साथ साझा कर सकते हैं।

चूंकि कम समय में कन्फर्म रिटर्न आरक्षण प्राप्त करना कठिन है इसलिए हम सुझाव देना चाहेंगे कि प्रतिनियुक्त शिक्षक अपना 'रिटर्न रिजर्वेशन' अपने मुख्यालय से पहले ही करवा लें।

आवेदन पत्र 'हमारी सांस्कृतिक विविधता' पर कार्यशाला
Application Form of Workshop on 'Our Cultural Diversity'

कृपया सुनिश्चित करें कि/ **KINDLY ENSURE:**

- आवेदक द्वारा विवरण बड़े अक्षरों में भरा जाना चाहिए।
  Particulars to be filled in BLOCK LETTERS by the applicant.
- सभी विवरण ठीक से भरे गए हैं और फॉर्म में संबंधित संस्थान के प्राचार्य और संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी/स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी की सिफारिश के साथ-साथ संबंधित शिक्षक/शिक्षक प्रशिक्षक के हस्ताक्षर भी हैं।
  All the particulars have been filled in properly, and the form has the signatures of the teacher/teacher educator concerned along with the recommendations of both - the Principal of the concerned institution and concerned District Education Officer/Inspector of School/ Director of Education/Concerned Officer/Authority.

1. नाम सुश्री/श्रीमती/श्री Name Ms./Mrs./Mr. _____
2. पद/Designation _____
3. जन्म तिथि/Date of Birth _____
   (कृपया जन्मतिथि का प्रमाण संलग्न करें/Please attach proof of Date of Birth)
4. योग्यता एवं शिक्षण अनुभव/Qualifications & Teaching Experience _____
   _____
5. लिंग: पुरुष/महिला/Gender: Male/Female
6. श्रेणी: एससी/एसटी/ओबीसी/सामान्य/Category: SC/ST/OBC/General
7. क्या दिव्यांग व्यक्ति हैं/Whether specially challenged हां/नहीं Yes/No

यदि हां, तो कृपया निर्दिष्ट करें/ If yes, please specify: _____

कृपया विभागाध्यक्ष द्वारा विधिवत प्रमाणित हालिया पासपोर्ट आकार की तस्वीर यहां चिपकाएं संस्थान/स्कूल
Please affix recent passport size photograph here duly attested by Head of the Institution/School

8.

संस्थान/स्कूल का नाम और पता /Name and Address of the Institution/School:	आवासीय पता/Residential Address:
स्थान/Place:	स्थान/Place:
तालुक/Taluq :	तालुक/Taluq:
डाकघर/AT/PO:	डाकघर/AT/PO:
जिला/Dist.:	जिला/Dist.:
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:
फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:	फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID:	ईमेल/E-mail ID:

9. विद्यालय का प्रकार/Type of School: सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त/पब्लिक/निजीGovernment/Govt. Aided/Public/Private

10. क्या आपका विद्यालय ग्रामीण/शहरी/आदिवासी क्षेत्र से है/Whether your school is from Rural/Urban/Tribal area
(कृपया (√) निशान लगाएं) (Please Put (√) Mark)

11. (अ) भाषाएँ, जिन्हें आप पढ़, लिख और बोल सकते हैं/ (a) Languages, which you can read, write & speak :

1. _____ 2. _____ 3. _____

(ब) अंग्रेजी का कार्यसाधक ज्ञान/ (b) Working Knowledge of English: (कृपया (√) निशान लगाएं)(Please Put (√) Mark)

अच्छा **GOOD**	औसत **AVERAGE**	खराब **POOR**

12. विषय (ओं) एवं पाठ्यक्रम स्तर/कक्षाएँ जिन्हें आप पढ़ाते हैं/Subject (s) and Course level/Class (es) that you teach:

विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं Class (es)	विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं/Class (es)
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

13. आपके विद्यालय/संस्थान में शिक्षण/निर्देश का माध्यम (भाषा)/
Medium of teaching/instructions in your school/institution (Language): _____

14. कृपया आपके विद्यालय/संस्था में उपलब्ध दृश्य-श्रव्य सहायक एवं उपकरण का उल्लेख करें।
Please mention the Audio-Visual Aid(s) and Equipment(s) available in your school/institution.

15. क्या आपने सीसीआरटी द्वारा आयोजित किसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है - यदि हां, तो कृपया उल्लेख करें।
Have you attended any training programme(s) organized by the CCRT – if so, please mention.

(अ) प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम/Name of the training programme(s) :
(ब) स्थान (प्रशिक्षण कार्यक्रम का स्थान)/ Place (Venue of the Training Programme(s) :
(स) दिनांक/अवधि/ Date/Duration :

मैं प्रमाणित करता/करती हूं कि ऊपर भरे गए सभी विवरण सही हैं और कोई भी गलत जानकारी देने के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
I certify that all the particulars filled in above are correct and I can be held responsible for furnishing any wrong information.

आवदेक के हस्ताक्षर/Signature of the Applicant _____
नाम/Name : _____
पद/Designation: _____
संघ शासित प्रदेश/राज्य/U.T./State* _____
तिथि/Date : _____

*जो लागू न हो, काट दे/*Strike off, whichever in not applicable.

महत्वपूर्ण: इस फॉर्म को चयन के लिए तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि निम्नलिखित दोनों संबंधित अग्रेषण प्राधिकारियों द्वारा इसे अग्रेषित नहीं किया जाता है।

Important : This form will not be considered for selection unless forwarded by both the following concerned forwarding authorities.

डी.ई.ओ./स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर/Signature of D.E.O./Inspector of School/ Director of Edn./Concerned Officer/ Authority :	प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर/Signature of the Headmaster/ Principal:
नाम/Name	नाम/Name
पद/Designation	
मुहर/Seal	मुहर/Seal
एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नं. (कार्यलय)/Telephone no.(O) with STD Code:	एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नं.(कार्यलय)/Telephone no.(O) with STD Code:

टेलीफोन नं.(आवास) एसटीडी कोड के साथ/Tel .No. (R) with STD Code:	टेलीफोन नं.(आवास) एसटीडी कोड के साथ /Tel. No. (R) with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID	ईमेल/E-mail ID

यदि मुहरें क्षेत्रीय भाषा में हैं, तो कृपया चयन की प्रक्रिया में देरी से बचने के लिए प्रायोजक प्राधिकारी का नाम और पदनाम हिंदी या अंग्रेजी में निर्दिष्ट करें।
In case the seal(s) are in regional language, kindly specify the name and designation of the sponsoring authority in Hindi or English to avoid delay in the process of selection.

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र
नई दिल्ली

संक्षिप्त नोट
'विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका' विषय पर कार्यशाला

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) सेवारत अध्यापकों हेतु कार्यशालाएँ आयोजित करता है, जो कि भिन्न-भिन्न भागों के अध्यापकों को अपनी संस्कृति के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करती हैं, ताकि प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक धरोहर की विविधता और समृद्धि के प्रति वे सराहना की भावना उत्पन्न कर सकें।

इस कार्यशाला का केन्द्र बिंदु विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका का अध्ययन है। जैसा कि कक्षा में होता है व्याख्यान, वीडियो या आदि कई तरीकों से शिक्षक छात्रों को जानकारी देते हैं। संग्रहालयों का भ्रमण केवल मनोरंजन ही नहीं होता इसे कक्षा में चर्चा की गई सामग्री के पूरक के रूप में भी उपयोग कर सकते हैं। ऐसी भौतिक चीजें जिनकी जानकारी बच्चों को पहले से ही हो कक्षा में उनके दृश्य ज्ञान से जुड़कर उनके अनुभव को आसान बनाते हैं। जब समान सूचना के दोनों पक्ष मिल जाते हैं तो छात्र आसानी से विषयगत चीजों को पूर्ण रूप से समझ पाते हैं और आगे की शिक्षा में सफलतापूर्वक उसका उपयोग करते हैं।

वर्तमान में संग्रहालय शिक्षण केंद्र बन गए हैं और केवल एक संग्रह स्थान न रहकर उससे भी आगे निकल गए हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी इस बात को दोहराती है कि शिक्षा केवल किताबी तथ्य न रहे बल्कि प्रयोगात्मक शिक्षण के रूप में विस्तारित हो।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागी एक व्यावहारिक कार्य योजना भी विकसित करेंगे जो छात्रों में वस्तुओं का ऐतिहासिक मूल्य, विविध संस्कृतियों का सम्मान, बहुसंस्कृतिवाद को समझना और भारत के जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करने के लिए प्रेरित करती है। शिक्षकों को संग्रहालय की परिभाषा को समग्र रूप से गत्यात्मक रूप में समझना सिखाया जाएगा। जहां संग्रहालय को केवल साइट विजिट या कलाकृतियों के संग्रह के स्थान के रूप में नहीं, बल्कि एक गतिशील और रचनात्मक स्थान के रूप में माना जाता है और जिससे एक छात्र/शिक्षार्थी के रूप में शिक्षकों को सभी प्रकार की प्रदर्शन, दृश्य और साहित्यिक कलाओं का अनुभव मिल सकता है। वह महत्वपूर्ण संग्रह को 'कॉर्नर/गैलरी' के रूप में विकसित करना भी सीखेंगे और अधिकतम पहुंच पाने के लिए इंटरैक्टिव डिजिटल प्लेटफॉर्म भी बनाएंगे।

यह कार्यशाला प्रतिभागियों को संग्रहालय शिक्षा के बारे में सैद्धांतिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ व्यावहारिक दिशानिर्देश भी देती है ताकि पाठ्यक्रम और विद्यालयी जीवन के क्षेत्रों में गतिविधियों को एकीकृत करें और कार्यक्रम को लागू करें। चर्चाएँ, संग्रहालय भ्रमण और समूह कार्य द्वारा प्रतिभागियों के बीच विचारों और अभ्यास के आदान-प्रदान को मजबूत करेंगे।

इन कार्यशालाओं में शिक्षकों को इसलिए आमंत्रित किया जाता है ताकि वें विद्यालयी छात्रों को इस तरह सम्वेदनशील बनाएं जिससे उन्हें यह बोध हो कि वे किताबों से क्या सीख रहे हैं और अपने ज्ञान को किस प्रकार बढ़ा सकते हैं।

कार्यशाला की अवधि लगभग 05 कार्य दिवसों की होती है।

उद्देश्य:

- संग्रहालयों को शिक्षण केंद्र के रूप में उपयोग करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करना और संग्रहालय की कलाकृतियाँ द्वारा सीखने का अवसर प्रदान करना;
- अपने क्षेत्र और देश की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति सराहना की भावना पैदा करना:
- संग्रहालयों का भ्रमण करते समय छात्रों के लाभ के लिए कार्यपत्रक/गतिविधि पत्रक विकसित करना;
- छात्रों को संग्रहालयों के महत्व को समझाना और उन्हें विद्यालयों में 'संग्रहालय कॉर्नर' के विचार के साथ सामग्री एकत्र करने और संरक्षित करने के लिए प्रेरित करना।

कार्यशाला में व्याख्यान, स्लाइड प्रस्तुतियाँ, संरक्षण गतिविधियाँ, स्मारकों और संग्रहालयों का अध्ययन, समूह चर्चाएँ, आदि शामिल हैं। विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों के महत्व को बताने के लिए शैक्षिक सहायता और खेल, कार्य-पत्रक और गतिविधि-पत्रक की तैयारी पर सत्र रखे जाते हैं।

'व्यवहारिक एवं क्रियाशील' अनुभव के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, भारतीय सांस्कृतिक निधि (इन्टैक), राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, शिल्प संग्रहालय, विज्ञान संग्रहालय और सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद, आदि के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा।

उक्त कार्यशाला के सफल समापन के बाद भाग लेने वाले शिक्षक के माध्यम से सीसीआरटी सांस्कृतिक शैक्षिक किट स्कूल को उपहार में दी जाती है।

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

'विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका' पर कार्यशाला के लिए शिक्षकों की नियुक्ति करते समय कृपया निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान दिया जाए:

1. **प्रतिनियुक्त शिक्षकों की आयु 52 वर्ष तक की होनी चाहिए।** (पंजीकरण के समय जन्मतिथि प्रमाण पत्र देना आवश्यक है)

2. **कार्यशाला केवल सेवारत सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षकों के लिए है जो कक्षा 1 से 12 तक भाषा, इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, गणित, विज्ञान, ललित कला, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, संगीत, शारीरिक शिक्षा, ड्राइंग, कला, SUPW, पेंटिंग और क्राफ्ट आदि विषय पढ़ते हों।**

3. विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिका/प्राधानाचार्य को कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

4. जो शिक्षक आपके रिकार्ड के अनुसार सीसीआरटी द्वारा आयोजित 'विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका' विषय पर कार्यशाला में पहले भाग ले चुके है उन्हें दोबारा प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

5. कोई भी संविदा या अस्थाई शिक्षक जैसे शिक्षा-कर्मी, शिक्षा-बन्धु, शिक्षा-मित्र, शिक्षक सुविधा प्रदाता, संविदा शिक्षक आदि प्रतिनियुक्त नहीं किया जाना चाहिए।

6. चूंकि देश के विभिन्न भागों से आए हुए शिक्षकों के लाभ के लिए विशेषज्ञ द्विभाषी अर्थात हिन्दी और अंग्रेजी में अपना व्याख्यान देंगे इसलिए प्रतिभागियों को अंग्रेजी की समझ एवं उसमें काम करने आना चाहिए।

7. कार्यशाला में कैम्प का वातावरण रहेगा और यह लंबी अवधि के लिए होगा अत: शिक्षकों का स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए।

8. कार्यशाला में एक समय में एक विद्यालय से एक ही शिक्षक प्रतिनियुक्त किया जाना चाहिए।

9. कोई भी प्रतिनियुक्त शिक्षक किसी भी परिस्थिति में अपने साथ किसी साथी/परिवार के सदस्यों को नहीं ला सकते हैं।

10. आपका प्रतिनियुक्ति आदेश अंतिम आदेश माना जाएगा और सीसीआरटी किसी व्यक्ति के लिए चयन पत्र जारी नहीं करेगा।

11. सीसीआरटी के साथ पत्राचार के लिए हमारा संदर्भ पत्र संख्या और तारीख अवश्य उद्धृत किया जाना चाहिए।

कार्यशाला के पहले दिन पंजीकरण के लिए और कार्यशाला के अंतिम दिन वाहन भत्ता के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों को निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अलग कागज पर लाना जरूरी है :

1. जन्म तिथि प्रमाण-पत्र
2. स्कूल से कार्य मुक्त प्रमाण-पत्र
3. मूल वेतन प्रमाण-पत्र
4. कैंसिल चेक/ पासबुक के प्रथम पृष्ठ की प्रति
5. दो पासपोर्ट आकार की फोटो
6. टिकट/टिकट संख्या (आने की यात्रा की मूल प्रति और वापसी की यात्रा की फोटो कॉपी)। आने जाने का टिकट सबसे छोटे मार्ग का और हकदार कक्ष का होना चाहिए।

चूंकि यह विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों से प्रतिनियुक्त शिक्षकों के लिए एक साथ रहने, एक दूसरे से बातचीत करने और एक मंच साझा करने का एक अच्छा अवसर है इसलिए सम्भव हो तो उन्हें अपने विषयों की पाठ्य पुस्तकें एवं अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सामाजिक विज्ञान पुस्तकों को साथ में लाने के लिए कहा जा सकता है।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी)
CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING (CCRT)
सेक्टर-7, प्लॉट नं. 15-ए, द्वारका, **नई दिल्ली /15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075**
दूरभाष/Telephone : (011)-25309300/Ext. 324/325
ई-मेल/E-mail: wksp.ccrt@nic.in, वेबसाइट/Website: www.ccrtindia.gov.in

प्रतिभागी शिक्षकों को अपना क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया जाएगा। इसलिए प्रतिनियुक्त शिक्षकां से वेशभूषा, नृत्यों, लोकगीतों और सांस्कृतिक मूल्यों की अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं को लाने का भी अनुरोध किया जाता है। इन वस्तुओं को कार्यशाला के दौरान वे अपने अन्य राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के सहयोगियों के साथ साझा कर सकते हैं।

चूंकि कम समय में कन्फर्म रिटर्न आरक्षण प्राप्त करना कठिन है इसलिए हम सुझाव देना चाहेंगे कि प्रतिनियुक्त शिक्षक अपना 'रिटर्न रिजर्वेशन' अपने मुख्यालय से पहले ही करवा लें।

आवेदन पत्र 'विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका' पर कार्यशाला
Application Form of Workshop on 'Role of Museums in School Education'

कृपया सुनिश्चित करें कि/ **KINDLY ENSURE:**

- आवेदक द्वारा विवरण बड़े अक्षरों में भरा जाना चाहिए।
  Particulars to be filled in BLOCK LETTERS by the applicant.
- सभी विवरण ठीक से भरे गए हैं और फॉर्म में संबंधित संस्थान के प्राचार्य और संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी/स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी की सिफारिश के साथ-साथ संबंधित शिक्षक/शिक्षक प्रशिक्षक के हस्ताक्षर भी हैं।
  All the particulars have been filled in properly, and the form has the signatures of the teacher/teacher educator concerned along with the recommendations of both - the Principal of the concerned institution and concerned District Education Officer/Inspector of School/ Director of Education/Concerned Officer/Authority.

1. नाम सुश्री/श्रीमती/श्री Name Ms./Mrs./Mr. _____
2. पद/Designation _____
3. जन्म तिथि/Date of Birth _____
   (कृपया जन्मतिथि का प्रमाण संलग्न करें/Please attach proof of Date of Birth)
4. योग्यता एवं शिक्षण अनुभव/Qualifications & Teaching Experience _____
   _____
5. लिंग: पुरुष/महिला/Gender: Male/Female
6. श्रेणी: एससी/एसटी/ओबीसी/सामान्य/Category: SC/ST/OBC/General
7. क्या दिव्यांग व्यक्ति हैं/Whether specially challenged हां/नहीं Yes/No
   यदि हां, तो कृपया निर्दिष्ट करें/ If yes, please specify: _____

कृपया विभागाध्यक्ष द्वारा विधिवत प्रमाणित हालिया पासपोर्ट आकार की तस्वीर यहां चिपकाएं संस्थान/स्कूल Please affix recent passport size photograph here duly attested by Head of the Institution/School

8.

संस्थान/स्कूल का नाम और पता /Name and Address of the Institution/School:	आवासीय पता/Residential Address:

स्थान/Place:	स्थान/Place:
तालुक/Taluq :	तालुक/Taluq:
डाकघर/AT/PO:	डाकघर/AT/PO:
जिला/Dist.:	जिला/Dist.:
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/State/UT: PIN:
फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:	फोन नं. एसटीडी कोड समेत/Phone No. with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID:	ईमेल/E-mail ID:

9. विद्यालय का प्रकार/Type of School: सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त/पब्लिक/निजीGovernment/Govt. Aided/Public/Private

10. क्या आपका विद्यालय ग्रामीण/शहरी/आदिवासी क्षेत्र से है/Whether your school is from Rural/Urban/Tribal area
(कृपया (√) निशान लगाएं) (Please Put (√) Mark)

11. (अ) भाषाएँ, जिन्हें आप पढ़, लिख और बोल सकते हैं/ (a) Languages, which you can read, write & speak :

1. _____ 2. _____ 3. _____

(ब) अंग्रेजी का कार्यसाधक ज्ञान/ (b) Working Knowledge of English: (कृपया (√) निशान लगाएं)(Please Put (√) Mark)

अच्छा GOOD	औसत AVERAGE	खराब POOR

12. विषय (ओं) एवं पाठ्यक्रम स्तर/कक्षाएँ जिन्हें आप पढ़ाते हैं/Subject (s) and Course level/Class (es) that you teach:

विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं Class (es)	विषय (ओं)/Subject (s)	कक्षा/कक्षाएं/Class (es)
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

13. आपके विद्यालय/संस्थान में शिक्षण/निर्देश का माध्यम (भाषा)/
Medium of teaching/instructions in your school/institution (Language): _____

14. कृपया आपके विद्यालय/संस्था में उपलब्ध दृश्य-श्रव्य सहायक एवं उपकरण का उल्लेख करें।
Please mention the Audio-Visual Aid(s) and Equipment(s) available in your school/institution.

15. क्या आपने सीसीआरटी द्वारा आयोजित किसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है - यदि हां, तो कृपया उल्लेख करें।
Have you attended any training programme(s) organized by the CCRT – if so, please mention.

(अ) प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम/Name of the training programme(s) :
(ब) स्थान (प्रशिक्षण कार्यक्रम का स्थान)/ Place (Venue of the Training Programme(s) :
(स) दिनांक/अवधि/ Date/Duration :

मैं प्रमाणित करता/करती हूं कि ऊपर भरे गए सभी विवरण सही हैं और कोई भी गलत जानकारी देने के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
I certify that all the particulars filled in above are correct and I can be held responsible for furnishing any wrong information.

आवदेक के हस्ताक्षर/Signature of the Applicant _____
नाम/Name : _____
पद/Designation: _____
संघ शासित प्रदेश/राज्य/U.T./State* _____
तिथि/Date : _____

*जो लागू न हो, काट दे/*Strike off, whichever in not applicable.

महत्वपूर्ण: इस फॉर्म को चयन के लिए तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि निम्नलिखित दोनों संबंधित अग्रेषण प्राधिकारियों द्वारा इसे अग्रेषित नहीं किया जाता है।

Important : This form will not be considered for selection unless forwarded by both the following concerned forwarding authorities.

डी.ई.ओ./स्कूल निरीक्षक/शिक्षा निदेशक/संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर/Signature of D.E.O./Inspector of School/ Director of Edn./Concerned Officer/ Authority :	प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर/Signature of the Headmaster/ Principal:
नाम/Name	नाम/Name
पद/Designation	
मुहर/Seal	मुहर/Seal
एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नं. (कार्यलय)/Telephone no.(O) with STD Code:	एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नं.(कार्यलय)/Telephone no.(O) with STD Code:

टेलीफोन नं.(आवास) एसटीडी कोड के साथ/Tel .No. (R) with STD Code:	टेलीफोन नं.(आवास) एसटीडी कोड के साथ /Tel. No. (R) with STD Code:
मोबाइल नं./Mobile Phone No.	मोबाइल नं./Mobile Phone No.
ईमेल/E-mail ID	ईमेल/E-mail ID

यदि मुहरें क्षेत्रीय भाषा में हैं, तो कृपया चयन की प्रक्रिया में देरी से बचने के लिए प्रायोजक प्राधिकारी का नाम और पदनाम हिंदी या अंग्रेजी में निर्दिष्ट करें।
In case the seal(s) are in regional language, kindly specify the name and designation of the sponsoring authority in Hindi or English to avoid delay in the process of selection.